7. न्याय दर्शन के अनुसार असत्कार्यवाद का वर्णन कीजिए।

8. न्याय दर्शन के अनुसार ईश्वर के षडैश्वर्य पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

9. कठोपनिषद् के अनुसार यम द्वारा नचिकेता को दिए गए प्रलोभनों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—स **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. कठोपनिषद् के अनुसार आत्मविद्या का वर्णन कीजिए।

11. भारतीय दर्शन में ईश्वर के स्वरूप को रेखांकित करते हुए न्याय वैशेषिक में ईश्वरसिद्धि हेतु दिए गए तर्कों का वर्णन कीजिए।

12. सत्कार्यवाद का विस्तृत वर्णन कीजिए।

13. इन्द्र सूक्त के अनुसार इन्द्र देवता के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

SA–06

December – Examination 2022

B.A. (Part–III) Examination

SANSKRIT

वेद, उपनिषद् तथा भारतीय दर्शन

Paper : SA-06

Time : 3 Hours] [*Maximum Marks : 70*

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) हिरण्यगर्भ सूक्त के ऋषि का क्या नाम है ?

   (ii) महर्षि पतंजलि के अनुसार ऋग्वेद की कितनी शाखाएँ हैं ?

   (iii) इन्द्र सूक्त के अनुसार श्वघ्नी इव का क्या अर्थ है ?

(iv) शिवसंकल्प सूक्त किस वेद से सम्बद्ध है ?

(v) पुरुषसूक्त के देवता ऋषि एवं छन्द का नाम लिखिए।

(vi) कठोपनिषद् के अनुसार किस ऋषि ने यज्ञ की कामना से समस्त धन दान कर दिया था ?

(vii) कठोपनिषद् के अनुसार **दो** मार्ग कौनसे हैं ?

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** मन्त्र की सन्दर्भ-अन्वय-अनुवाद सहित व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

(अ) समानो मन्त्रः समितिः समानी
समानं मनः सह चित्तमेषाम्।
समानं मन्त्रमभि मन्त्रये वः
समानेन वो हविषा जुहोमि॥

अथवा

(ब) येन कर्माण्यपसो मनीषिणो
यज्ञे कृण्वन्ति विदथेषु धीराः।
यदपूर्वं यक्षमन्तः प्रजानां
तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु॥

3. कठोपनिषद् के अनुसार रथ के रूपक को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** की व्याख्या कीजिए :

(अ) सर्वे वेदा यत्पदमामनन्ति तपांसि सर्वाणि च यद् वदन्ति।
यदिच्छन्तो ब्रह्मचर्यं चरन्ति, तत्ते पदं संग्रहेण
ब्रवीम्योमित्येतत्॥

अथवा

(ब) यस्तु विज्ञानवान् भवति युक्तेन मनसा सदा।
तस्येन्द्रियाणि वश्यानि सदश्वा इव सारथेः॥

5. जैनदर्शन के अनुसार अनेकान्तवाद को स्पष्ट कीजिए।

6. अद्वैत वेदान्त के अनुसार आत्मा के स्वरूप पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।